बुधवार
16 सितम्बर 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 235
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दिव्यांग बच्चों के बीच अपना जन्म दिवस मनाने के लिए पहुंचे।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान पहुंचकर वहां अध्ययनरत बच्चों के साथ अपना जन्म दिवस मनाया। मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ केक काटा और उनके बीच रहकर जन्म दिवस की खुशियां साझा कीं। मुख्यमंत्री बच्चों से बेहद आत्मीयता और स्नेह के साथ मिले। उन्होंने बच्चों के बीच जाकर उनसे संवाद किया, उनका उत्साहवर्धन किया और उनके साथ समय बिताया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चे भी उत्साहित और प्रसन्न नजर आए। इस दौरान पूरा वातावरण आत्मीयता, स्नेह और अपनत्व से भरा रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के बीच बिताया गया समय जीवन को नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। प्रत्येक बच्चे में अपार प्रतिभा और संभावनाएं होती हैं। उन्हें आगे बढ़ने के लिए अवसर, प्रोत्साहन और विश्वास मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन का सशक्तिकरण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर प्रयास से जीवन की प्रत्येक चुनौती को पार किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्य की ओर पूरे विश्वास और उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज में प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर, सम्मान और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्नेह और उनके चेहरों की खुशी उनके लिए जन्म दिवस का सबसे विशेष और यादगार उपहार है। इस अवसर पर श्रीमती गीता पुष्कर धामी, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी एवं संस्थान के शिक्षक मौजूद थे।

पुलिसकर्मी पर युवती से छेड़छाड़ का आरोप!

◆कार्रवाई को लेकर चौकी के बाहर बजरंग दल कार्यकर्ता का धरना

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य में पुलिस प्रशासन कानून व्यवस्था का कितना पालन कर रहा है इसकी बानगी आज शहर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत लख्खीबाग चौकी के बाहर सामने आयी है। यहां बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एक युवती के साथ पुलिस कर्मी द्वारा की गयी छेड़छाड़ की शिकायत देने के बावजूद कार्यवाही न करने के मामले में धरना प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार यहां पुलिस कर्मी पर युवती से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। मामले में शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर गुस्साए बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने हंगामा किया और चौकी के बाहर धरना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि शहर कोतवाली में तैनात एक पुलिसकर्मी पर युवती से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया है। मामले में शिकायत किए जाने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से बजरंग दल कार्यकर्ताओं में आक्रोश है। इसके विरोध में कार्यकर्ता लक्कीबाग चौकी के बाहर एकत्र हुए और धरने पर बैठ गए। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि युवती की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रदर्शन के चलते क्षेत्र में माहौल गरमा गया है।

वहीं समाचार लिखे जाने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हिमालय की खामोशी

हिमालय को हम सदियों से जीवनदायिनी पर्वतमाला के रूप में देखते आए हैं। यही हिमालय नदियों को जन्म देता है, करोड़ों लोगों की प्यास बुझाता है, मौसम और जलवायु को संतुलित करता है और जैव विविधता की अनमोल विरासत को अपने भीतर समेटे हुए है। लेकिन जिस हिमालय को कभी निर्मलता, शांति और पवित्रता का पर्याय माना जाता था, उसकी चोटियों और घाटियों तक अब प्रदूषण की दस्तक सुनाई देने लगी है। यह दस्तक केवल पर्यावरणीय संकट का संकेत नहीं, बल्कि आने वाले समय के लिए गंभीर चेतावनी है। पहाड़ों में प्रदूषण का चेहरा मैदानी शहरों से अलग है। यहां उद्योगों की चिमनियां भले ही कम हों, लेकिन वाहनों की बढ़ती संख्या, अनियोजित निर्माण, पर्यटन का दबाव, प्लास्टिक कचरा, जंगलों में आग, सीवेज की समस्या और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन मिलकर हिमालयी पर्यावरण पर लगातार दबाव बढ़ा रहे हैं। जिन पहाड़ी कस्बों की आबादी कभी सीमित थी, वहां पर्यटन सीजन में जनसंख्या कई गुना बढ़ जाती है। इसके साथ वाहनों, होटल-रेस्तरां, पैकेजिंग और कचरे का बोझ भी बढ़ता है। विडंबना यह है कि जिस पर्यटन को पहाड़ की अर्थव्यवस्था का आधार माना जाता है, वही यदि नियोजन के बिना बढ़ता रहा तो हिमालय की अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी दोनों के लिए संकट बन सकता है। चारधाम, हेमकुंड, औली, फूलों की घाटी, आदि कैलाश और अन्य हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ती आवाजाही अपने साथ रोजगार और आय के अवसर तो लाती है, लेकिन इसके साथ कचरा प्रबंधन, यातायात, जलस्रोतों और स्थानीय संसाधनों पर दबाव भी बढ़ाती है। सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या हमारी विकास नीति हिमालय की भौगोलिक और पारिस्थितिक संवेदनशीलता को समझ रही है? पहाड़ों को मैदानों की तरह देखने की भूल भारी पड़ सकती है। यहां सड़क काटने, सुरंग बनाने, भवन खड़े करने या किसी परियोजना को मंजूरी देने का असर केवल संबंधित स्थल तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव जलस्रोतों, जंगलों, ढलानों, नदियों और स्थानीय जीवन-व्यवस्था तक पहुंचता है। हिमालय पहले से ही जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रहा है। ग्लेशियरों में बदलाव, अनियमित वर्षा, बादल फटने, भूस्खलन और अचानक बाढ़ जैसी घटनाएं हिमालयी क्षेत्रों की संवेदनशीलता को सामने ला रही हैं। ऐसे समय में प्रदूषण का बढ़ता दबाव संकट को और जटिल कर सकता है। हिमालय को केवल पर्यटन स्थल या निर्माण की प्रयोगशाला मानना खतरनाक दृष्टिकोण होगा। आज पहाड़ों में सबसे आसानी से दिखाई देने वाला प्रदूषण प्लास्टिक और ठोस कचरे का है। बोतलें, पैकेट, डिस्पोजेबल सामग्री और दूसरे प्रकार का कचरा जंगलों, नदी-नालों और पर्यटन स्थलों तक पहुंच रहा है। कई स्थानों पर कचरे के निस्तारण की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। पहाड़ में फेंका गया कचरा केवल दृश्य प्रदूषण पैदा नहीं करता, बल्कि वर्षाजल के साथ नीचे बहकर नदियों और जलस्रोतों तक पहुंच सकता है। यह स्थिति उस समाज के लिए विशेष चिंता का विषय है जिसकी संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार माना गया है। उत्तराखंड की पारंपरिक जल, जंगल और जमीन की समझ आधुनिक विकास के दबाव में कमजोर पड़ रही है। समय आ गया है कि हिमालय के लिए विकास का अलग मॉडल तैयार किया जाए। हर परियोजना का मूल्यांकन केवल आर्थिक लाभ के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी पर्यावरणीय और सामाजिक कीमत को ध्यान में रखकर होना चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण की सीमा तय हो, स्थानीय क्षमता के अनुरूप पर्यटन हो, ठोस कचरा और सीवेज प्रबंधन अनिवार्य हो तथा जलस्रोतों और जंगलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले। सरकार की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण है, लेकिन केवल सरकारी आदेशों से हिमालय नहीं बच सकता। स्थानीय निकायों, ग्राम सभाओं, पर्यटन कारोबारियों, तीर्थयात्रियों और आम नागरिकों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। पर्यटक यदि पहाड़ को अपना घर समझकर व्यवहार करे और स्थानीय प्रशासन कचरे के निस्तारण की जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाए तो बड़ा बदलाव संभव है। हिमालय के लिए सबसे बड़ा खतरा केवल प्रदूषण नहीं, बल्कि प्रदूषण को सामान्य मान लेने की मानसिकता है। यदि आज प्लास्टिक की बोतल देखकर हम आगे बढ़ गए, नदी में गिरते सीवेज को देखकर चुप रहे और पहाड़ों पर बढ़ते निर्माण को विकास का पर्याय मानते रहे, तो आने वाली पीढ़ियां हमसे पूछेंगी कि जब हिमालय संकट में था तब हमने क्या किया? हिमालय ने सदियों से मैदानों को दिया है नदियां दीं, जंगल दिए, जल दिया, जीवन दिया। अब हिमालय हमसे कुछ मांग रहा है संयम, संवेदनशीलता और संरक्षण। प्रदूषण की दस्तक को यदि आज नहीं सुना गया तो कल हिमालय की खामोशी बहुत कुछ कहेगी। सवाल केवल हिमालय को बचाने का नहीं है। सवाल यह है कि हिमालय बचेगा तो हमारा भविष्य कितना सुरक्षित रहेगा।

उत्तराखंड में बीजेपी का 'बूथ स्ट्राइक' प्लान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 का विधानसभा चुनाव अभी औपचारिक रूप से घोषित नहीं हुआ है, लेकिन राजनीतिक दलों की तैयारियों ने चुनावी तापमान बढ़ा दिया है। इस मुकाबले में भाजपा की सबसे स्पष्ट ताकत उसका संगठनात्मक ढांचा, सत्ता की मशीनरी से जुड़ा जनसंपर्क और बूथ स्तर तक पहुंच बनाने की कोशिश है। हाल के घटनाक्रम बताते हैं कि पार्टी ने चुनावी तैयारी को केवल राजधानी की बैठकों तक सीमित रखने के बजाय विधानसभा और मंडल स्तर तक फैलाना शुरू कर दिया है।

भाजपा ने 19 संगठनात्मक जिलों के प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए हैं। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी प्रदेश को चुनावी दृष्टि से अलग-अलग संगठनात्मक इकाइयों में सक्रिय कर रही है। इससे पहले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ संगठन पदाधिकारियों की अगुवाई में कोर कमेटियां बनाने की योजना भी सामने आई थी। इन समितियों को चुनाव तक संगठनात्मक गतिविधियों, जनसंपर्क अभियानों और पार्टी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने हल्द्वानी की प्रदेश कार्यसमिति में कहा कि पार्टी की बूथ स्तर तक की रणनीति तैयार है। उन्होंने निकाय चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए 2027 में पूरी ताकत से चुनाव लड़ने की बात कही। यानी भाजपा की चुनावी रणनीति का पहला आधार संगठन की निरंतर सक्रियता है। पार्टी चुनाव से कुछ महीने पहले कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के बजाय काफी पहले से नेटवर्क को चुनावी भूमिका में लगाने का प्रयास कर रही है।

◆राजधानी से बाहर निकली बीजेपी, जिलों में नए कमान संभालेंगे सेनापति
◆प्रदेश में विधायकों और सांसदों को भी मिल गया है बूथ स्तर का टास्क
◆उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा आ गई 'इलेक्शन मोड' में

भाजपा की दूसरी बड़ी ताकत सत्ता में होना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पार्टी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को चुनावी संवाद का हिस्सा बना रही है। हल्द्वानी में धामी ने चारधाम, आलवेदर रोड, पर्यटन और रोजगार को सरकार के प्रमुख कामों के रूप में सामने रखा तथा योजनाओं को घर-घर पहुंचाने पर जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि 2027 का चुनाव मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। इससे भाजपा के सामने नेतृत्व को लेकर सार्वजनिक स्तर पर एक स्पष्ट राजनीतिक रेखा दिखाई देती है संगठन की कमान भट्ट के हाथों में और सरकार का चेहरा धामी। भाजपा अपने संगठनात्मक दावे को हाल के निकाय चुनावों के प्रदर्शन से जोड़ रही है। पार्टी नेतृत्व ने हल्द्वानी कार्यसमिति में 11 नगर निगमों और छह सहकारिता जिलों में जीत का उल्लेख किया। इसके अलावा अगस्त में श्रीनगर की निर्दलीय महापौर आरती भंडारी समेत 10 पार्षद भाजपा में शामिल हुए थे। इससे राज्य के सभी 11 नगर निगमों के महापौर भाजपा के साथ होने की स्थिति बनी।

यह आंकड़ा भाजपा को शहरी निकायों में अपने संगठन और राजनीतिक विस्तार को रेखांकित करने का आधार देता है। हालांकि विधानसभा चुनाव का सामाजिक और भौगोलिक समीकरण निकाय चुनावों से अलग होता है, इसलिए इन परिणामों को सीधे विधानसभा परिणाम का संकेत मानना उचित नहीं होगा। भाजपा की राजनीतिक कार्यशैली की एक विशेषता यह है कि संगठन चुनाव के बीच निष्क्रिय रहने के बजाय लगातार कार्यक्रमों और अभियानों के जरिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने की कोशिश करता है। प्रदेश कार्यसमिति, जिला प्रभारियों की नियुक्ति और विधानसभा स्तर की कोर कमेटियां इसी ढांचे का हिस्सा हैं। 2025 में पार्टी ने 42 प्रदेश पदाधिकारियों की टीम भी घोषित की थी, जिसे 2027 की तैयारी से जोड़ा गया था। यही निरंतरता भाजपा को चुनावी मुकाबले में अपनी राजनीतिक बात बूथ तक ले जाने का ढांचा देती है।

भाजपा के सामने सत्ता में होने की अपनी चुनौतियां भी हैं। बेरोजगारी, पलायन, भर्ती परीक्षाओं से जुड़े विवाद,

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

कांग्रेस की 'एकजुटता' की परीक्षा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज होने के साथ कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा से सीधा मुकाबला करने से पहले अपने संगठन को एकजुट और चुनावी रूप से सक्रिय रखने की है। कांग्रेस ने चुनाव अभियान कार्यालय, पांच चुनावी समितियां, जोनल जिम्मेदारियां और जनसंपर्क अभियानों के जरिए तैयारी तेज की है, लेकिन पार्टी के भीतर नेतृत्व और गुटीय समन्वय से जुड़े सवाल लगातार राजनीतिक चर्चा में बने हुए हैं। उत्तराखंड कांग्रेस में लंबे समय से विभिन्न वरिष्ठ नेताओं के बीच राजनीतिक खींचतान चर्चा का विषय रही है। अप्रैल 2026 में हरीश रावत के राजनीतिक अवकाश को लेकर विवाद खुलकर सामने आया था और इसके बाद पार्टी के भीतर अलग-अलग खेमों के बीच मतभेदों की खबरें आईं।

चुनाव के लिहाज से यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस के सामने केवल भाजपा सरकार के खिलाफ मुद्दे उठाने की चुनौती नहीं है, बल्कि उन मुद्दों को एक साझा राजनीतिक संदेश में बदलने की भी जरूरत है। कांग्रेस के पास प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत जैसे अनुभवी चेहरे हैं। जुलाई में कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने देहरादून में वरिष्ठ नेताओं,

◆कांग्रेस का संगठनात्मक कसावट बनाम आंतरिक गुटबाजी पर फोकस
◆भाजपा से मुकाबले से पहले कांग्रेस को साधने होंगे अपने सभी समीकरण
◆संगठन की खींचतान से नेतृत्व की अस्पष्टता तक कांग्रेस की खास तैयारी

जिला अध्यक्षों और अग्रिम संगठनों के साथ चुनावी रणनीति पर बैठक की थी। लेकिन यही बहु-नेतृत्व व्यवस्था पार्टी के लिए समन्वय की चुनौती भी पैदा करती है। सवाल यह है कि चुनाव के मैदान में कौन सा चेहरा अंतिम राजनीतिक दिशा तय करेगा और टिकट, संगठन तथा अभियान के स्तर पर सभी प्रमुख नेता किस सीमा तक एक लाइन पर रहेंगे?

कांग्रेस ने अगस्त में पांच समितियां गठित कर चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाया और सितंबर में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने सभी विभागों तथा प्रकोष्ठों को सक्रिय करने, जिला और विधानसभा स्तर पर प्रभारियों की नियुक्ति तथा जमीनी संपर्क बढ़ाने पर जोर दिया। यह तथ्य अपने आप में कांग्रेस की एक बड़ी चुनौती को रेखांकित करता हैकृचुनाव सिर पर हैं और संगठन को लगातार पुनर्गठित तथा सक्रिय किया जा रहा है। जून में प्रकाशित एक विश्लेषण में भी राज्य कांग्रेस की पूर्ण कार्यकारिणी के गठन में लंबे समय से चली आ रही देरी को संगठनात्मक कमजोरी के रूप में रेखांकित किया गया था।

कांग्रेस बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं, महंगाई, कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा और विकास से जुड़े मुद्दों को लगातार उठा रही है। जून में पार्टी ने प्रदेशव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू कर इन मुद्दों को जनता तक ले जाने की घोषणा की थी। लेकिन विपक्ष में रहते हुए मुद्दे उठाना और उन्हें चुनावी समर्थन में बदलना दो अलग प्रक्रियाएं हैं। कांग्रेस के सामने चुनौती यह है कि सरकार विरोधी मुद्दों को केवल विरोध के नारों तक सीमित न रखकर बूथ स्तर पर प्रभावी राजनीतिक अभियान में बदला जाए। सितंबर में हरीश रावत के पूर्व ओएसडी एवं वर्तमान निजी सहायक चंदन सिंह जीना से जुड़े मामले में ईडी की कार्रवाई के बाद राजनीतिक विवाद और तेज हुआ। इसके बाद रावत ने कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी और कांग्रेस कार्यसमिति की स्थायी आमंत्रित सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की। रावत ने कहा कि उनका उद्देश्य पार्टी के भ्रष्टाचार-विरोधी संघर्ष को कमजोर न होने देना है।

इस घटनाक्रम का राजनीतिक असर क्या होगा, यह अलग प्रश्न है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि चुनावी तैयारी के बीच कांग्रेस को अपने सबसे वरिष्ठ नेताओं से जुड़े विवादों

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सड़क की खुदाई कर जांची निर्माण गुणवत्ता

हरिद्वार(आरएनएस)। कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के तहत उत्तर हरकी पैड़ी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर मेला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने पंतद्वीप क्षेत्र में सड़क निर्माण की सतह की मौके पर खुदाई कराकर गुणवत्ता की जांच कराई। सतह में प्रयुक्त जीएसबी में प्रथम दृष्टया मिट्टी की मात्रा अधिक पाए जाने पर उन्होंने तृतीय पक्ष निरीक्षण (टीपीआई) एजेंसी को निर्धारित मानकों के अनुसार गंभीरता से जांच करने के निर्देश दिए। लापरवाही मिलने पर टीपीआई एजेंसी के खिलाफ भी कार्रवाई की चेतावनी दी। अपर मेलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ यूआईआईडीबी के माध्यम से यूपीडीसीसी द्वारा कराए जा रहे उत्तर हरकी पैड़ी विकास परियोजना के तहत सड़क, घाट, टॉयलेट ब्लॉक और समतलीकरण कार्यों का निरीक्षण किया।उन्होंने सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप सामग्री का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। टॉयलेट ब्लॉक के निरीक्षण के दौरान कार्य समय पर पूरा करने और निर्माण की जद में आ रही पाइपलाइन को आवश्यकतानुसार शिफ्ट करने के निर्देश दिए। घाटों के मरम्मत और पुनरोद्धार कार्यों में टाइल्स सही ढंग से लगाने तथा रेलिंग को मजबूती से स्थापित करने को कहा। उन्होंने कहा कि उत्तर हरकी पैड़ी क्षेत्र में कुंभ के दौरान महत्वपूर्ण शिविर और गतिविधियां संचालित होती हैं। इसलिए सभी कार्य समय से पूरे किए जाएं। अनावश्यक देरी या गुणवत्ता में कमी मिलने पर संबंधित कार्यदायी संस्था के खिलाफ शासन को कार्रवाई के लिए अवगत कराया जाएगा। परियोजना में घाटों का पुनरोद्धार, भीड़ प्रबंधन क्षेत्र, वेंडिंग जोन, वॉकवे, सीवेज-ड्रेनेज, विद्युत कार्य और जनसुविधाओं का विकास प्रस्तावित है। इसमें पंतद्वीप, चमगादड़ टापू सहित आसपास के घाट शामिल हैं। निरीक्षण में अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार भट्ट, अधिशासी अभियंता आशुतोष कुमार, विशेषज्ञ समन्वयक गंगा प्रसाद पंत और परियोजना प्रबंधक आशीष भट्ट आदि मौजूद रहे।

कलाकारों को नहीं मिल रहा है उचित अवसर

पिथौरागढ़(आरएनएस)। यूकेडी की ओर से लोक कलाकार संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एक होटल में हुए कार्यक्रम में लोककलाकारों ने उचित अवसर न मिलने की बात कही। उन्होंने मेहनताना, भुगतान में देरी, आर्थिक कठिनाइयों व कलाकारों और उनके परिवारों से जुड़ी समस्याएं उठाई। पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी ने लोक कलाकारों के हित में ट्रस्ट गठित करने का सुझाव दिया। जरूरतमंद कलाकारों की सहायता, वरिष्ठ कलाकारों के सम्मान और युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की बात कही। कार्यक्रम में सांस्कृतिक नवोदय पर्वतीय कलाकेंद्र के संस्थापक हेमराज बिष्ट, प्रकाश रावत, सुरेश प्रसाद सुरीला, मनोहर आर्या, मनोहर उर्फ मुन्ना, रवि शास्त्री, काष्ठ कलाकार अनिल कुमार, भीमराम, श्वेता बिष्ट सहित छलिया टीम व सातूं-आठूं सांस्कृतिक दल सहित अन्य लोककलाकार मौजूद रहे।

पीएम के जन्मदिन पर दीप जलाने के निर्देश पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर घर के बाहर दीप जलाकर फोटो और वीडियो साझा करने के निर्देश का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने इसे सरकारी योजनाओं के राजनीतिक प्रचार से जोड़ने वाला कदम बताते हुए निर्देश वापस लेने की मांग की है। भोज ने कहा कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर %जिसने जीवन संवारा, उसे आशीर्वाद हमारा% थीम के तहत कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), ग्राम संगठन, सीएलएफ, लखपति दीदी, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी, वीवीजी रामजी के अंतर्गत रोजगार सहायक और अन्य सरकारी योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों को शाम सात बजे अपने घर के आगे दीप प्रज्वलित करने को कहा गया है। दीप जलाते हुए फोटो और वीडियो भी साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर इस तरह दीप जलाने के निर्देश से योजनाओं की प्रकृति और उनके राजनीतिक प्रचार को लेकर सवाल खड़े होते हैं। भोज ने कहा कि सरकारी योजनाओं के लिए धन प्रधानमंत्री या किसी नेता की निजी संपत्ति से नहीं, बल्कि सरकार के बजट और करदाताओं के पैसे से आता है। आवास, रोजगार, आर्थिक सहायता अथवा अन्य सुविधाएं लाभार्थियों का अधिकार और सार्वजनिक नीति का परिणाम हैं। ऐसे में सरकारी योजनाओं के लाभ को प्रधानमंत्री के जन्मदिन से जोड़कर दीप जलाने और उसकी तस्वीरें मंगाने की कवायद को राजनीतिक छवि निर्माण के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि करदाताओं की गाढ़ी कमाई से संचालित योजनाओं के लाभार्थियों को इस तरह के कार्यक्रमों में शामिल करना उचित नहीं है। भोज ने चेतावनी दी कि यदि यह निर्देश वापस नहीं लिया गया तो कांग्रेस आंदोलन करने को मजबूर होगी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

नंदा देवी मेला : आस्था, इतिहास और लोक परंपरा का अनूठा संगम

अल्मोड़ा(आरएनएस)। कुमाऊं की आराध्य देवी नंदा-सुनंदा को समर्पित ऐतिहासिक नंदा देवी मेले का इस वर्ष 16 सितंबर से शुभारंभ होगा। मेले की सबसे खास धार्मिक परंपरा कदली वृक्षों से नंदा-सुनंदा की प्रतिमाओं का निर्माण है। 17 सितंबर को कदली वृक्षों को निमंत्रण दिया जाएगा और 18 सितंबर को उन्हें नंदा देवी मंदिर लाया जाएगा। इसके बाद विधि-विधान से एक कदली वृक्ष से नंदा और दूसरे से सुनंदा की प्रतिमा का निर्माण किया जाएगा।

23 सितंबर को नंदा-सुनंदा का डोला उठेगा और नगर भ्रमण के बाद मूर्तियों का विसर्जन दुगालखोला स्थित नौले में किया जाएगा। नंदा देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज वर्मा ने बताया वर्ष 1816 तक मेले का आयोजन मल्ला महल में होता आया था। उस समय कुमाऊं के कमिश्नर मिस्टर ट्रेल ने मल्ला महल से मूर्तियों को नंदा देवी मंदिर में स्थापित करवाया। इसके बाद से नंदा देवी मंदिर में मेले के आयोजन की परंपरा शुरू हुई, जो आज भी जारी है। नंदा देवी मेले की धार्मिक परंपराओं में कदली वृक्षों का विशेष महत्व है। प्रतिमाओं के निर्माण के लिए पहले कदली वृक्षों का चयन किया जाता है और विधि-विधान से उन्हें निमंत्रण दिया जाता है। निमंत्रण के बाद कदली वृक्षों को मंदिर लाया जाता है और उनसे नंदा-सुनंदा की प्रतिमाएं तैयार की जाती हैं। एक कदली वृक्ष से नंदा और दूसरे से सुनंदा की प्रतिमा का निर्माण किया जाता है। इस वर्ष आठ दिवसीय मेले का आधिकारिक शुभारंभ 16 सितंबर से होगा और 23 सितंबर तक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मेले की गतिविधियां नंदा देवी मंदिर परिसर के साथ एडम्स मैदान में भी आयोजित की जाएंगी। सांस्कृतिक आयोजनों और प्रतियोगिताओं के जरिए स्थानीय लोक संस्कृति, कला और प्रतिभाओं को मंच मिलेगा। 23 सितंबर को मेले के अंतिम प्रमुख धार्मिक आयोजन के रूप में नंदा-सुनंदा का डोला उठेगा। डोले के साथ नगर भ्रमण की परंपरा भी मेले का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बाद नंदा-सुनंदा की मूर्तियों का विसर्जन दुगालखोला स्थित नौले में किया जाएगा। मनोज वर्मा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले में चंद वंशज मौजूद रहेंगे। इनमें युवराज नरेंद्र चंद राज सिंह, युवरानी कामाक्षी सिंह, राजकुमार सोमेश्वर चंद राज सिंह, कुंवर सिद्धेश्वर चंद सिंह और उनके परिजन शामिल होंगे। चंद वंशजों की मौजूदगी मेले की धार्मिक परंपरा के साथ उसके राजवंशीय इतिहास की कड़ी को भी जोड़ती है।

दीपगंगा रेसिडेंशियल वेलफेयर सोसायटी के चुनाव सम्पन्न

हरिद्वार। पूर्व निर्धारित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार दीपगंगा रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स हरिद्वार प्लॉट-1 वेलफेयर सोसाइटी की प्रबंध कार्यकारिणी के चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया चुनाव अधिकारी आई-जे-एस-संधू पूर्व महाप्रबंधक भेल की देखरेख में सम्पन्न हुये, जिसमें चार पदों के लिये 14 सितम्बर को हुये नामांकन में एक-एक प्रत्याशी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। चुनाव अधिकारी संधू ने बताया कि दीपगंगा रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स हरिद्वार प्लॉट-1 वेलफेयर सोसाइटी के चुनाव सौहार्दपूर्ण वातावरण में उत्साह के साथ निर्विरोध संपन्न हुये।

उन्होंने बताया कि 14 सितम्बर को संपन्न प्रबंध कार्यकारिणी के कुल चार पदों पर हुये नामांकन में अध्यक्ष सत्यप्रकाश सचान, उपाध्यक्ष सुनील दत्त, सचिव श्रीमती आभा बोरा और कोषाध्यक्ष पद पर श्रीमती आरती नेगी रावत को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सत्यप्रकाश सचान ने बताया कि वह नवनिर्वाचित टीम व सोसायटी के लोगों के साथ मिलकर दीपगंगा रेसिडेंशियल कॉम्प्लेक्स हरिद्वार प्लॉट-1 वेलफेयर सोसाइटी के हितों के लिये कार्य करेंगे। सोसायटी की जो भी समस्यायें उन्हें मिलकर सबके सहयोग से दूर करने का भरसक प्रयास करेंगे।

बंदर-सूअरों से फसलों को नुकसान, स्थाई समाधान की मांग

पिथौरागढ़(आरएनएस)। भूमि और वन अधिकारों को लेकर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में किसानों के जंगली जानवरों की समस्याएं उठाई। ग्रामीणों ने बंदरों और जंगली सूअरों के बढ़ते आतंक से फसलों को हो रहे भारी नुकसान का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए सरकार और प्रशासन से समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। एक्शन एड लखनऊ की ओर से सिंगाली में भूमि अधिकार, वन पंचायत और वनाधिकार कानून को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को वनाधिकार कानून के प्रावधानों और व्यक्तिगत व सामुदायिक वन अधिकारों के लिए आवेदन की प्रक्रिया भी समझाई गई। ग्रामीणों को लघु वन उपज, जड़ी-बूटी और अन्य पारंपरिक वन संसाधनों के बारे में बताया। समुदाय के अधिकारों की जानकारी देते हुए अनुसूचित जनजाति व अन्य परंपरागत वनवासियों को कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। एचआरडी प्रतिनिधि खीमा जेठी ने श्रम विभाग की ओर से मजदूरों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। ग्राम प्रधान भुवन ओझा ने कहा कि जंगली जानवरों के कारण किसानों की मेहनत लगातार बर्बाद हो रही है। कार्यक्रम में क्षेत्र पंचायत सदस्य विजय सिंह जेठी, सरपंच माला ओझा, मान सिंह जेठी, कलावती देवी, पुष्पा कन्याल, कमला देवी, उमेश ओझा और मंजू देवी मौजूद रहे।

पानी की किल्लत के बीच लीकेज से सड़क पर बह रहा पेयजल

हरिद्वार(आरएनएस)। श्यामपुर की संत रविदास बस्ती में लोग स्वच्छ पेयजल के लिए हैंडपंपों का सहारा लेने को मजबूर हैं, वहीं सुबह-शाम कुछ समय के लिए आने वाला पानी पाइपलाइन लीकेज के कारण सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है। संत रविदास मंदिर के पास मुख्य रास्ते पर लंबे समय से लीकेज है। सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को परेशानी उठानी पड़ रही है।लीकेज से निकलती पानी की धार की चपेट में आने से कई बार लोगों के कपड़े तक गीले हो जाते हैं।संत रविदास मंदिर और बस्ती सहित श्यामपुर तथा सजनपुर गांव में कई जगह पाइपलाइन लीकेज देखे जा सकते हैं। इनसे बहकर स्वच्छ पेयजल बर्बाद हो रहा है। संत रविदास बस्ती में लीकेज के साथ लो प्रेशर की समस्या भी बनी हुई है। लीकेज ठीक करने और लो प्रेशर की समस्या दूर करने के लिए ग्रामीण कई बार मौखिक रूप से शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक उचित समाधान नहीं हुआ है। एक ओर लोग पीने के पानी के लिए परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर पाइपलाइन का पानी सड़क पर बहकर बर्बाद हो रहा है। ग्रामीणों ने जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

रैपिडो के निजी वाहनों से सवारी ढोने का आरोप, टेम्पो यूनियन का प्रदर्शन

रुद्रपुर(आरएनएस)। रैपिडो के माध्यम से निजी वाहनों से यात्रियों का व्यावसायिक परिवहन किए जाने के आरोप को लेकर रुद्रपुर के सीएनजी टेम्पो और ऑटो चालकों ने आक्रोश जताया। सीएनजी टेम्पो यूनियन के अध्यक्ष सुब्रत कुमार विश्वास के नेतृत्व में बड़ी संख्या में चालक एआरटीओ कार्यालय पहुंचे और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) मोहित कोठारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने रैपिडो से जुड़े निजी वाहनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि कॉमर्शियल वाहन चालक परमिट, टैक्स, फिटनेस और बीमा समेत परिवहन विभाग के नियमों का पालन करते हुए वाहन संचालित करते हैं। आरोप लगाया कि निजी वाहनों से यात्रियों का व्यावसायिक परिवहन किए जाने से सीएनजी टेम्पो, ऑटो और टैक्सी चालकों के रोजगार पर सीधा असर पड़ रहा है।ज्ञापन में रुद्रपुर क्षेत्र में रैपिडो से जुड़े वाहनों की जांच कराने और नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही रैपिडो को निर्देश देने की मांग की गई कि निजी वाहनों से यात्रियों का व्यावसायिक परिवहन न कराया जाए। यूनियन अध्यक्ष सुब्रत कुमार विश्वास ने कहा कि यह लड़ाई किसी कंपनी या व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि नियमों का पालन कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले कॉमर्शियल वाहन चालकों के रोजगार की लड़ाई है। यूनियन ने परिवहन विभाग को समस्या के समाधान के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। कार्रवाई न होने पर अन्य चालक यूनियनों के साथ एआरटीओ कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी। इस दौरान यूनियन उपाध्यक्ष कृपाल, इंद्रपाल, तपन विश्वास, सुनील हालदार, मोहन, अर्जुन नेगी, सलीम अहमद, राजेश सैनी, मुकेश, रोहित हालदार, विनोद कुमार, राजेश प्रजापति, कौशल, गजेंद्र, सत्येंद्र, सरताज और सोमपाल समेत बड़ी संख्या में टेम्पो व ऑटो चालक मौजूद रहे।

बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

बच्चों के दांतों की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। उनके दांतों को मजबूत और स्वस्थ बनाए रखने के लिए सही टूथपेस्ट का चुनाव करना अहम होता है। बच्चों के लिए ऐसा टूथपेस्ट चुनें, जो उनके नाजुक दांतों की सुरक्षा करे और उनकी सेहत को नुकसान न पहुंचाए। कई बार बिना जानकारी के टूथपेस्ट खरीद लिया जाता है, जो सही नहीं होता। इसलिए आइए जानते हैं कि बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट क्यों जरूरी है:बच्चों के लिए फ्लोराइड वाला टूथपेस्ट चुनना बहुत जरूरी होता है। फ्लोराइड दांतों को सडने़ से बचाने में मदद करता है और दांतों की बाहरी परत को मजबूत बनाता है। यह दांतों में कैविटी बनने से रोकता है और उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ बनाए रखता है। जब भी बच्चों के लिए टूथपेस्ट खरीदें तो यह जरूर जांच लें कि उसमें फ्लोराइड की सही मात्रा हो।

शक्कर रहित टूथपेस्ट का करें चयन: बच्चों के लिए टूथपेस्ट हमेशा ऐसा होना चाहिए, जिसमें शक्कर न हो। शक्कर दांतों की सडऩ का मुख्य कारण होती है। अगर टूथपेस्ट में शक्कर होगी तो वह दांतों को साफ करने के बजाय नुकसान पहुंचा सकती है। शक्कर रहित टूथपेस्ट दांतों को सुरक्षित रखता है और बच्चों के मसूड़ों को भी दिक्कत से बचाता है। ऐसे टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से बच्चों के दांत लंबे समय तक मजबूत रहते हैं।

बच्चों की पसंद का स्वाद चुनें: बच्चों के लिए टूथपेस्ट का स्वाद भी बहुत मायने रखता है। अगर टूथपेस्ट का स्वाद बच्चों को पसंद आएगा, तो वे ब्रश करने में रुचि दिखाएंगे। यह उनकी दांत साफ करने की आदत को मजबूत बनाएगा। बाजार में कई तरह के फलों और मीठे स्वाद वाले टूथपेस्ट उपलब्ध हैं, जो बच्चों को आकर्षित करते हैं। सही स्वाद वाला टूथपेस्ट चुनने से बच्चों को ब्रश करना मजेदार लगेगा और वे इसे नियमित रूप से करेंगे।

पैकेजिंग पर भी ध्यान दें: बच्चों के टूथपेस्ट की पैकेजिंग पर ध्यान देना भी जरूरी है। पैकेजिंग साफ और बच्चों के लिए इस्तेमाल करने में आसान होनी चाहिए। ऐसी पैकेजिंग चुनें, जिससे बच्चे आसानी से टूथपेस्ट निकाल सकें और खुद ब्रश करना सीख सकें। पैकेजिंग पर लिखी जानकारी को पढ़कर यह सुनिश्चित करें कि टूथपेस्ट में कोई हानिकारक चीज न हो। इसके अलावा बच्चों को आकर्षित करने वाली रंगीन और मजेदार पैकेजिंग भी उनके लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है: अगर आपको बच्चों के लिए सही टूथपेस्ट चुनने में कोई दुविधा हो, तो किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। दांतों के डॉक्टर आपकी जरूरतों को समझकर सही विकल्प सुझा सकते हैं। इससे आप गलत टूथपेस्ट खरीदने से बच सकते हैं और आपके बच्चे के दांत स्वस्थ रहेंगे। विशेषज्ञ की राय लेना बच्चों के दांतों की सुरक्षा के लिए एक समझदारी भरा कदम होता है।

घर की सफाई को आसान बना सकते हैं ये 5 हैक्स, जरूर आजमाएं

घर की सफाई करना रोजमर्रा का एक जरूरी काम है, लेकिन इसे जल्दी और आसानी से करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। सफाई करते समय अक्सर ज्यादा समय और मेहनत लगती है, जिससे थकावट महसूस होती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से आप अपने घर को कम समय और कम मेहनत में साफ-सुथरा बना सकते हैं।

एक समय में एक ही कमरे की सफाई करें: अक्सर लोग पूरे घर की सफाई एक साथ करने की कोशिश करते हैं, लेकिन इससे काम और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। बेहतर होगा कि आप एक समय में सिर्फ एक कमरे की सफाई करें। जैसे कि किसी एक दिन रसोई साफ करें, दूसरे दिन लिविंग रूम और फिर अगले दिन बेडरूम। इस तरीके से आप हर कमरे को अच्छे से साफ कर पाएंगे और यह काम बोझिल भी नहीं लगेगा।

सफाई करते समय गाने सुनें: सफाई का काम अक्सर बोरियत भरा लगता है, लेकिन इसे मजेदार बनाया जा सकता है। सफाई करते समय अपने पसंदीदा गाने सुनें। इससे आपका ध्यान सफाई पर केंद्रित रहेगा और काम भी जल्दी खत्म होगा। अगर गाने सुनना पसंद नहीं है तो आप मन ही मन कुछ गुनगुना सकते हैं। यह तरीका सफाई को थकावट भरा काम बनने से रोकता है और आपको तरोताजा महसूस कराता है।

सफाई के लिए सही सामान का इस्तेमाल करें: सफाई का काम तभी जल्दी और सही तरीके से होता है जब आपके पास सही सामान हो। झाड़ू, पोछा, और साफ करने के कपड़े जैसे सामान का सही तरीके से इस्तेमाल करें। इसके अलावा अगर आपके पास गीले और सूखे पोछे के लिए अलग-अलग कपड़े हैं, तो सफाई करना और भी आसान हो जाएगा। सफाई के लिए ऐसे स्प्रे और साबुन का इस्तेमाल करें, जो जल्दी गंदगी हटाने में मदद करें।

सफाई को छोटे हिस्सों में बांटें: पूरे घर की सफाई करने के बजाय इसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना ज्यादा बेहतर होता है। जैसे कि पहले फर्नीचर की सफाई करें, फिर फर्श को साफ करें और अंत में धूल हटाएं। इस तरह से आप एक समय में एक काम पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे और सफाई का काम जल्दी खत्म होगा। इसके अलावा सफाई करते समय हर चीज को उसकी सही जगह पर रखने की आदत डालें, ताकि अगली बार सफाई करना और भी आसान हो।

क्या आपको भी आता है छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा ?

हमारी लाइफ में हमेशा अच्छा ही हो, ऐसा नहीं है। कभी दिन खुशियों में बीतेंगे तो कभी किसी बात पर तनाव होगा, गुस्सा आएगा। मगर अक्सर कुछ लोगों को छोटी से छोटी बात पर गुस्सा आता है और वे इसकी वजह से कई बार नुकसान भी उठाते हैं। जैसे कि आपकी सुबह की ट्रेन में देरी हो रही हो या जब दफ्तर में आपका दिन अच्छा न गुजर रहा हो तब आपको गुस्सा आता है और आप खुद को बेहद तनाव में महसूस करते हैं। अगर आपको भी छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है, तो यह न सिर्फ आपकी सेहत, बल्कि आपके काम, संबंधों के लिए भी सही नहीं है। आज हम आपको अपना गुस्सा शांत करने के कुछ टिप्स बता रहे हैं।

जब आप गुस्से में होते हैं, तो उन जगहों के बारे में सोचने की कोशिश करें, जहां आप खुद को खुश और शांत महसूस करते हैं। फिर एक गहरी सांसें लें और अपने मन ही मन में किसी खास शब्द या वाक्य को दोहराएं। इससे आपका ध्यान उस बात से हटेगा जिस पर गुस्सा आया हो और आप अपने गुस्से पर काबू कर पाएंगे।

गुस्सा अक्सर तब तक शांत नहीं होता, जब तक कि उसकी प्रतिक्रिया न दी जाए। ऐसे में आप अपना गुस्सा अपने शौक पर निकाल सकते हैं। जी, हां। इसका मतलब सिर्फ यही है कि अगर आप डांस में रुचि रखते हैं या फिर आपको दौड़ना पसंद है या फिर कुछ और आपका शौक है। तो अपने शौक में रम जाइए और तनावमुक्त हो जाइए। यह माहौल को बेहतर बनाने का अच्छा तरीका है।

अगर आपका दिन तनाव से भरा हुआ है और आप किसी बात पर गुस्सा दबाए बैठे हैं, तो इसे बाहर कड़े शब्दों में बाहर निकालने की बजाय अपना ध्यान किसी दूसरी बात पर लगाएं। जैसे कि जब आप अपने अंदर गुस्से के तूफान को उठता हुआ महसूस करते हैं, तो अपना ध्यान अपने परिवार या दोस्तों के साथ गुजारी हुई उन यादों पर लगाएं, जो आपके लिए अहमियत रखती हैं और जो आपको खुशी देती हैं।

अगर किसी एक जगह पर रहते हुए आपको बोरियत महसूस हो रही है और आप वहां खुद को तनाव में महसूस कर रहे हैं, आपको गुस्सा आ रहा है, तो आप अपने परिवेश को बदलने की कोशिश करें। क्या आपको अपने काम की जगह या जिम जैसी जगहों पर किसी खास इंसान की वजह से गुस्सा आता है या किसी निश्चित स्थान पर आपका गुस्सा फूटता है, तो खुद से ये सवाल पूछें कि क्या मुझे यहां के लोग पसंद नहीं हैं? क्या मुझे यहां रहना, आना पसंद नहीं है? अगर इसका जवाब यह है कि ऐसा नहीं है, तो आपको जरूरत है कुछ बदलाव की। यानी आपको नई जगह खोजने की जरूरत हे, जहां आप खुद को कम उत्तेजित महसूस करें।

गुस्से को काबू में करना कुछ लोगों के लिए एक वास्तविक मुद्दा हो सकता है। अगर आप नियमित रूप से ऐसा महसूस करते हैं कि आप अपने स्वभाव पर नियंत्रण नहीं रख सकते हैं और आप मानते हैं कि यह आपके जीवन का एक बड़ा हिस्सा बन गया है, जिसे आप काबू में नहीं कर पा रहे हैं, तो इसके लिए किसी पेशेवर की मदद लें, ताकि आप अपनी भावनाओं पर नियंत्रण पा सकें।

शब्द सामर्थ्य -074

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

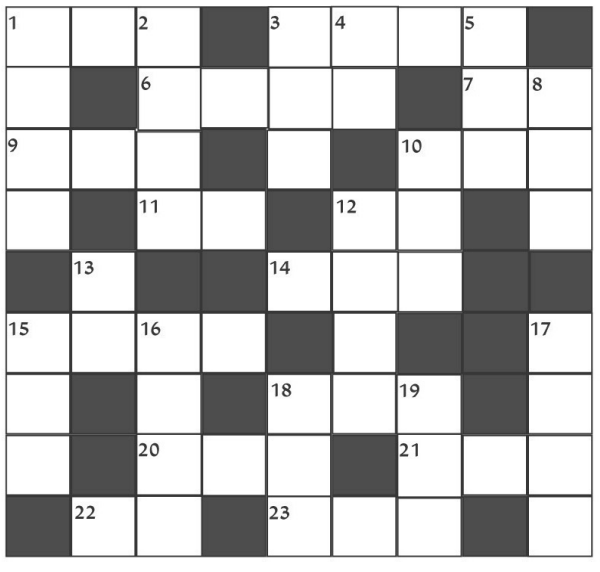

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 73 का हल

ज	ल	3	आ	वा	जा	ही	6	4
मा		खू	ब	8	दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग	10	ल	क्ष्य
12	न	ख		त	र	ल		
12	वी	रा	न		15	च	ट	क
17	र	ब	18	आ	ज	क	ल	
	17	21	आ	ग	19	दा	ना	
23	अ	ग	र	म	ग	र	23	क्रो
भा	भी		ती	न	26		व	ध

दादा' बनकर खौफ पैदा करेंगे बालकृष्ण, 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

दक्षिण भारतीय फिल्मों के लोकप्रिय अभिनेता नटसिम्हा बालकृष्ण एक बार फिर अपने दमदार और आक्रामक अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। बालकृष्ण और निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की जोड़ी आगामी फिल्म दादा' के लिए एक बार फिर साथ आई है। फिल्म को फिलहाल एनबीके111 के नाम से भी जाना जा रहा था। निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक और प्रदर्शन की तारीख जारी कर दी है।

निर्माताओं के अनुसार, फिल्म 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के अवसर पर बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म के शीर्षक ने सामने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है।

दादा' को लेकर दर्शकों में इसलिए भी खास उत्साह है, क्योंकि बालकृष्ण और गोपीचंद मालिनेनी इससे पहले वीरा सिम्हा रेड्डी' जैसी सफल जन-मनोरंजन और मारधाड़ से भरपूर फिल्म दे चुके हैं।

दोनों की पिछली फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। ऐसे में इस नई फिल्म से भी काफी उम्मीदें लगाई जा रही हैं। निर्माताओं ने जिस अंदाज में फिल्म की पहली झलक पेश की है, उससे साफ है कि यह भी बड़े पैमाने की कार्रवाई और मनोरंजन से भरपूर फिल्म होगी।

फिल्म की जारी की गई 1 मिनट 12 सेकंड की झलक में बालकृष्ण का बेहद आक्रामक रूप देखने को मिलता है। दृश्य में उन्हें कई खलनायकों से घिरा हुआ दिखाया गया है। इसके बाद फिल्म का शीर्षक सामने आता है और बालकृष्ण अपने खास अंदाज में विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते नजर आते हैं।

फिल्म के संगीतकार थमन का पृष्ठभूमि संगीत इस पूरे दृश्य को और प्रभावशाली बनाता है। बालकृष्ण का संवाद अदायगी और उनका आक्रामक व्यक्तित्व झलक में फिल्म के तेवर को स्पष्ट करता है।

फिल्म में अभिनेत्री काजल अग्रवाल मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी। बताया गया है कि वह मुंबई की एक दमदार पुलिस अधिकारी का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार को भी फिल्म की कहानी में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वहीं, अभिनेता मंचू मनोज के फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाने की चर्चा है। हालांकि, उनके किरदार को लेकर निर्माताओं की ओर से विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

दादा' का निर्माण वृद्धि सिनेमाज के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म के निर्माता वेंकट सतीश किलारू हैं। बालकृष्ण और गोपीचंद मालिनेनी की पिछली सफल साझेदारी को देखते हुए इस परियोजना को लेकर दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में भी काफी उम्मीदें हैं।

फिल्म को क्रिसमस के अवसर पर 24 दिसंबर को बड़े पैमाने पर रिलीज करने की तैयारी है। बालकृष्ण के प्रशंसकों के लिए यह फिल्म साल के अंत में एक बड़े मनोरंजक अनुभव के रूप में सामने आ सकती है।

धनुष की फिल्म ओम- चैप्टर 1 से ममूटी का दमदार अवतार आया सामने

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार ममूटी ने अपने फैंस को शानदार तोहफा दिया है। उन्होंने सुपरस्टार धनुष की आगामी फिल्म ओम- चैप्टर 1 से अपने किरदार की एक झलक दिखाई है, जिसके जरिए वह तमिल सिनेमा में वापसी कर रहे हैं। राजकुमार पेरियासामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर जारी हुआ है, जिसमें ममूटी को केंद्र में दिखाया गया है। उनकी उपस्थिति फिल्म में एक्शन, इमोशन और स्टाइल के मिश्रण का संकेत देती है।

ओम- चैप्टर 1 के टीजर में, ममूटी को कार्तिकेय के रूप में दिखाया गया है, जो सिया नाम से जुड़ा एक किरदार है और जिसे एक अंतरराष्ट्रीय तस्कर के रूप में वर्णित किया गया है।

उनकी दमदार उपस्थिति से पता चलता है कि फिल्म में उनका किरदार शक्ति और भावनात्मक गहराइयों से भरपूर होगा। कहानी को फिलहाल गुप्त रखा गया है।

इसके जरिए ममूटी 7 साल बाद तमिल सिनेमा में लौटे हैं। उनकी आखिरी फिल्म पेरंबु (2019) थी।

धनुष अपनी वंडरबार स्टूडियोज और आरटेक स्टूडियोज की साझेदारी में ओम- चैप्टर 1 का निर्माण कर रहे हैं। इसका संगीत साई अभ्यंकर ने संगीत दिया है।

फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। वहीं, श्रीलीला एक अहम किरदार में शामिल होंगी।

नसीरुद्दीन शाह भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं और यह उनकी पहली तमिल फिल्म होने वाली है।

यह 16 अक्टूबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हुंकार-द रोर के ट्रेलर में गूंजी सच्चाई की आवाज, अनीत-फातिमा का दिखा दमदार अंदाज

जियोहॉटस्टार ने हुंकार-द रोर का ट्रेलर जारी किया है, जिसकी कार्यकारी निर्माता प्रियंका चोपड़ा हैं। इस क्राइम थ्रिलर सीरीज में मुख्य किरदार अनीत पड्डा निभाती नजर आएंगी और उनके साथ फातिमा सना शेख भी महत्वपूर्ण किरदार में शामिल हैं। मीनू रावत के किरदार में अनीत ने ट्रेलर में जहां क्राइम के खिलाफ साहस का प्रदर्शन किया है, तो वहीं महिला पुलिस अधिकारी की भूमिका में फातिमा दमदार नजर आई हैं। इसका निर्माण बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने किया है।

करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया द्वारा निर्देशित, हुंकार- द रोर का ट्रेलर क्राइम, दबदबा और साहस का पुरजोर प्रदर्शन करता है।

17 साल की मीनू (अनीत) प्रभावशाली बापजी के शोषण का शिकार होती है, लेकिन वह हार न मानकर आवाज उठाने का दम रखती है। इस जंग में सबूत से लेकर उसके अपने तक एक कदम पीछे हटते हैं, लेकिन वह हार नहीं मानती। इस सच की लड़ाई में फातिमा के किरदार ने अहम भूमिका निभाई है। हुंकार- द रोर का ट्रेलर जारी करते हुए निर्माताओं ने कैप्शन दिया, जब एक लड़की की आवाज आएगी समाज की भक्ति से, तो जीत किसकी होगी?

यह एक ऐसी युवती की कहानी है, जो विद्रोह, शक्ति, विश्वास और निर्णय जैसे विषयों को उजागर करती है।

सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर जैसे दमदार कलाकारों का समूह महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इसका प्रीमियर 25 सितंबर, 2026 को जियोहॉटस्टार पर होगा।

दायरा के लिए साथ आए गुलजार-अमित त्रिवेदी और बी प्राक!

मेघना गुलजार की फिल्म दायरा इस वक्त काफी चर्चा बटोर रही है, जिसमें करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य किरदारों में हैं। इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसने लोगों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल कीं। अब निर्माताओं ने फिल्म का टाइटल ट्रैक सच का दायरा जारी किया है, जो इस फिल्म का इकलौता गाना होगा। इसके लिए संगीत जगत के 3 महारथी एक साथ आए हैं। इनमें दिग्गज गीतकार गुलजार, संगीतकार अमित त्रिवेदी और गायक बी प्राक हैं। जंगली म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत सच का दायरा बॉलीवुड के पारंपरिक गानों से परे जाकर फिल्म के सत्य, बोध और परिप्रेक्ष्य जैसे विषयों का एक प्रभावशाली रूप में दर्शाता है। इसके बोल गुलजार ने लिखे हैं और संगीत अमित त्रिवेदी ने दिया है, जबकि आवाज बी प्राक ने दी है। तीनों ने मिलकर ऐसा गाना बनाया है, जो फिल्म की कहानी का विस्तार प्रतीत होता है। बता दें, दायरा 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

रिया चक्रवर्ती पर टीवीएफ का दांव, जॉम्बी फिल्म कॉलेज फेस्ट में दिया सबसे बड़ा मौका

रिया चक्रवर्ती ने द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2 का हिस्सा बनकर खूब चर्चा बटोरी। अब वह अपनी अगली परियोजना को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्माण द वायरल फीवर (टीवीएफ) कर रहा है। बताया जा रहा है कि यह एक जॉम्बी फिल्म है, जिसे कॉलेज फेस्ट नाम दिया गया है। इसमें रिया मुख्य किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ पुरव झा होंगे, जो द ट्रेटर्स इंडिया के पहले सीजन का हिस्सा थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, रिया और पुरव कॉलेज फेस्ट में मुख्य किरदार निभाते दिखेंगे।

परियोजना पर बात करते हुए एक सूत्र ने कहा, रिया और पुरव को कॉलेज फेस्ट में कास्ट किया गया है। यह टीवीएफ द्वारा निर्मित एक जॉम्बी फिल्म है और दोनों अभिनेताओं ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। यह प्रोजेक्ट कॉलेज के माहौल को जॉम्बी शैली के साथ जोड़ता है, जिससे यह आम कैंपस कहानियों से हटकर एक दिलचस्प फिल्म बन जाती है।

कॉलेज फेस्ट टीवीएफ की युवा-केंद्रित कहानियों की बढ़ती वेब सीरीज में एक और परियोजना है, जो कॉलेज के परिचित परिवेश में अलौकिक मोड़ लाती है।

कहानी कॉलेज छात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक रहस्यमय संक्रमण के कारण जॉम्बी बन जाते हैं और उन्हें अपने कार्यों के परिणाम से जूझना पड़ता है।

मशहूर यूट्यूबर आशीष चंचलानी भी इस परियोजना का हिस्सा होंगे।

फिलहाल, फिल्म के बारे में अन्य विवरण और इसकी रिलीज तारीख का खुलासा अभी नहीं किया गया है।

खनन वाहनों के चालान निरस्त कराने को ट्रांसपोर्टरों का प्रदर्शन

रुद्रपुर(आरएनएस)। खनन वाहनों के कथित रूप से गलत तरीके से काटे गए चालान निरस्त कराने की मांग को लेकर ट्रांसपोर्टरों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्होंने जिलाधिकारी और जिला खनन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मार्च और अप्रैल में काटे गए चालानों की जांच कर उन्हें निरस्त करने की मांग की। ट्रांसपोर्टरों का आरोप है कि चालान काटे जाने के समय उनके मोबाइल पर कोई सूचना नहीं दी गई, जबकि करीब छह माह बाद नोटिस जारी किए जा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनके वाहनों के पास वैध रॉयल्टी होने के बावजूद खनन विभाग ने चालान काटे हैं।आरोप लगाया कि रॉयल्टी में दर्ज समय और वाहन के आवागमन के समय में महज एक-दो मिनट का अंतर होने पर भी कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि वे बिना रॉयल्टी के खनन सामग्री लेकर नहीं निकलते हैं। ट्रांसपोर्टरों ने बताया कि चालान और नोटिस के संबंध में समाधान के लिए वे लगातार खनन विभाग के अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। प्रदर्शन में पुनीत सक्सेना, गजेंद्र सिंह, ज्योति गुप्ता, विक्की, मोहित ठाकुर, सोमपाल सैनी, नवाब अली, इकबाल हुसैन, फरमान, अलीम, अनीस, नन्हे घोसी, कुंदन, दिलशाद, आरिफ खान, परवेज, फैजान, नईम खान, राजू खान सहित यूपी, बरेली और उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए ट्रांसपोर्टर शामिल रहे।

कूड़ा शुल्क लगाने के विरोध में धर्मशाला संचालकों का नगर निगम में प्रदर्शन

हरिद्वार(आरएनएस)। नगर निगम की ओर से कूड़ा शुल्क लगाए जाने के विरोध में राष्ट्रीय धर्मशाला सुरक्षा समिति ने निगम कार्यालय में प्रदर्शन किया। समिति पदाधिकारियों ने शुल्क लगाने के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। समिति अध्यक्ष महेश गौड़ के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने शुल्क लगाने का विरोध जताते हुए महापौर और मुख्य नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कूड़ा शुल्क लगाने के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। समिति पदाधिकारियों का कहना है कि धर्मशालाएं धार्मिक और सामाजिक सेवा से जुड़ी संस्थाएं हैं। यहां देशभर से श्रद्धालु और यात्री ठहरते हैं। ऐसे में धर्मशालाओं पर अतिरिक्त कूड़ा शुल्क लगाया जाना उचित नहीं है।उन्होंने नगर निगम से शुल्क लगाने के निर्णय को वापस लेने की मांग की। इस दौरान शिव कुमार शर्मा, रमेश मिंडा, स्वामी गिर गिरी, गौरव भारद्वाज, हरमोहन सिंह, राजेंद्र कुमार शर्मा, रमेश भाई ठक्कर, श्रीनिवास पांडे, शंकर दत्त, अमित शर्मा, सुनील तिवारी, अवधेश, भूपेंद्र कुमार, प्रदीप कुमार, राजेंद्र गौड़, हीरालाल शर्मा, रामकुमार गुप्ता, पीके गुप्ता, रामचंद्र यादव, शंकर पांडे, पुरुषोत्तम शर्मा, मोहन कृष्ण, अनिल शर्मा, रामचंद्र, उत्तर कुमार, रविंद्र भट्ट आदि मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.074

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.73 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

अपर मेलाधिकारी ने उत्तर हरकी पैड़ी विकास परियोजना के कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

हरिद्वार(आरएनएस)। आगामी कुंभ मेला-2027 की तैयारियों के दृष्टिगत मेला प्रशासन ने उत्तर हरकी पैड़ी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने अधिकारियों की टीम के साथ पंतद्वीप क्षेत्र में यूआईआईडीबी के माध्यम से यूपीडीसीसी द्वारा संचालित उत्तर हरकी पैड़ी विकास परियोजना के अंतर्गत चल रहे सड़क, घाट, टॉयलेट ब्लॉक एवं समतलीकरण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।

सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने सड़क के लिए बिछाई गई सतह की मौके पर ही खुदाई करवाकर उसकी परत एवं प्रयुक्त सामग्री की जांच कराई। सतह निर्माण में प्रयुक्त जीएसबी में प्रथम दृष्टया मिट्टी की मात्रा अधिक पाए जाने पर उन्होंने तृतीय पक्ष निरीक्षण (टीपीआई) के लिए नियुक्त एजेंसी को निर्धारित मानकों के अनुरूप गंभीरता से जांच करने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित टीपीआई एजेंसी के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

अपर मेलाधिकारी ने यूपीडीसीसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप सामग्री का प्रयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने निर्माणाधीन टॉयलेट ब्लॉक का निरीक्षण करते हुए कार्य समयसीमा में पूरा करने तथा निर्माण के दायरे में आ रही पाइपलाइन को आवश्यकतानुसार शिफ्ट करने के निर्देश दिए। घाटों के मरम्मत एवं पुनरोद्धार कार्यों के निरीक्षण के दौरान टाइल्स को सही ढंग से लगाने तथा रेलिंग को मजबूती एवं गुणवत्ता के साथ स्थापित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि उत्तर हरकी पैड़ी क्षेत्र में कुंभ मेले के दौरान महत्वपूर्ण शिविरों एवं विभिन्न गतिविधियों का संचालन होता है। इसलिए सभी कार्य समय से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्था के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को अवगत कराया जाएगा।

यूआईआईडीबी के माध्यम से संचालित उत्तर हरकी पैड़ी विकास परियोजना का निर्माण यूपीडीसीसी के माध्यम से कराया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत घाटों का पुनरोद्धार, भीड़ प्रबंधन क्षेत्र, वेंडिंग जोन, वॉकवे, सीवेज एवं ड्रेनेज सिस्टम, विद्युत कार्य तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक जनसुविधाओं का विकास किया जाना प्रस्तावित है। परियोजना में पंतद्वीप, चमगादड़ टापू सहित आसपास के घाट भी शामिल हैं।

निरीक्षण के दौरान तकनीकी प्रकोष्ठ के अधीक्षण अभियंता मनोज कुमार भट्ट, अधिशासी अभियंता आशुतोष कुमार, विशेषज्ञ समन्वयक गंगा प्रसाद पंत, यूपीडीसीसी के परियोजना प्रबंधक आशीष भट्ट सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दोहरी जिम्मेदारी पर डीएम ने तय किया ड्यूटी रोस्टर

नई टिहरी(आरएनएस)। वरिष्ठ कोषाधिकारी नई टिहरी का पदेन दायित्व और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के मुख्य वित्त अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार देख रहे मनोज कुमार पांडेय के लिए अब जिलाधिकारी ने कार्य दिवस तय कर दिए हैं। कोषागार का काम प्रभावित न हो इसके लिए सप्ताह में तीन दिन वरिष्ठ कोषाधिकारी को कोषागार में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की ओर से जारी आदेश के अनुसार वरिष्ठ कोषाधिकारी अब प्रत्येक सप्ताह सोमवार, बुधवार और शनिवार कोषागार नई टिहरी में अपने पदेन दायित्वों का निर्वहन करेंगे। वहीं शेष तीन दिन मंगलवार, बृहस्पतिवार और शुक्रवार को श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय बादशाहीथौल में मुख्य वित्त अधिकारी के अतिरिक्त प्रभार से जुड़े कार्यों का संपादन करेंगे।आदेश में कहा गया है कि दोनों कार्यालयों में उपस्थित रहने के दिन कार्य सुविधा और जनहित को देखते हुए निर्धारित किए गए हैं। निर्धारित दिवसों में संबंधित कार्यालय में अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य रूप से बनी रहनी चाहिए।

बिना नेटवर्क के श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज करना मुश्किल

नई टिहरी(आरएनएस)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम नितिका खंडेलवाल ने कई समस्याओं का निस्तारण किया। लोगों ने पुनर्वास, प्रतिकर भुगतान, आपदा से क्षतिग्रस्त आवास और पुलिया निर्माण, सड़क, पेयजल और सोलर सुविधा प्रदान करने आदि समस्याएं रखी। जनता मिलन कार्यक्रम में सीमांत गंगी गांव की प्रधान अंगूरा देवी के प्रतिनिधि ने गांव में मोबाइल नेटवर्क की सुविधा नहीं होने के कारण वीबी- जीरामजी के श्रमिकों की ऑफलाइन उपस्थिति की अनुमति देने की मांग की। चंबा जल संस्थान में कार्यरत अस्थायी फीटर कर्मचारियों ने वेतन वृद्धि की मांग की। बौराड़ी व्यापार मंडल ने कवर्ड मार्केट और फर्नीचर मार्केट में एबीडी द्वारा किए गए रेनोवेशन कार्य का एक माह का शेष भुगतान और कवर्ड मार्केट में शौचालय को सुचारू कराने की मांग की। ?मनियार के ग्राम कोट निवासी रोशनी देवी ने इंटर पास बेटी के लिए समाज कल्याण विभाग से आर्थिक मदद की मांग की। ग्राम मंज्यूड़ निवासी विजेंद्र सिंह ने अपनी जमीन से अवैध कब्जा हटाने की मांग की। ग्राम सुनारकोट निवासी मंगली देवी ने गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने और बंडगांव की उमा भट्ट ने दिखोलगांव में भूमि का सीमांकन कराने की मांग की। ?कार्यक्रम में 41 लोगों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराई। इस मौके पर सीडीओ वरुणा अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष मोहन सिंह रावत, सीएमओ डॉ. राम प्रकाश, पीडी ज्योति, डीडीओ मो. असलम और एसडीएम कमलेश मेहता आदि मौजूद थे।

16.68 करोड़ से बनेगा 12.75 किमी लंबा मोटर मार्ग

पौड़ी(आरएनएस)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में तोली-चपोली से ग्वालना नगर तक 12.75 किमी लंबे मोटर मार्ग का शिलान्यास विधायक विनोद कंडारी ने किया। मार्ग निर्माण और पंचवर्षीय अनुरक्षण कार्य के लिए 16.68 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। मोटर मार्ग के बनने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने के साथ आवागमन सुगम होगा।

ग्राम पंचायतों में उप प्रधानों की भूमिका प्रभावी बनाई जाए

रुद्रपुर(आरएनएस)। ग्राम पंचायतों में उप प्रधानों की भूमिका प्रभावी बनाने और पंचायत के कामकाज में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर उप प्रधान संगठन ने बीडीओ को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इसमें पंचायत कार्यालय में बैठने की उचित व्यवस्था के साथ विकास कार्यों, कार्ययोजना और भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं में नियमानुसार सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग की गई। उप प्रधानों ने कहा कि वे ग्राम पंचायत व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इसके बावजूद पंचायत के विभिन्न कार्यों और विकास योजनाओं में अपेक्षित सहभागिता नहीं मिलने से पंचायत के कामकाज को लेकर सवाल उठते हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत कार्यालय में उप प्रधानों के बैठने के लिए नियमित रूप से उचित स्थान और आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने की मांग की।

ज्ञापन में विकास कार्यों से संबंधित भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग भी की गई। कहा गया कि भुगतान से संबंधित आवश्यक जानकारी उप प्रधानों को नियमानुसार उपलब्ध कराई जाए और जहां नियमों के तहत उनकी सहमति या अनुमोदन आवश्यक हो, वहां इसे सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा पंचायत की महत्वपूर्ण बैठकों, योजनाओं और कार्यों की सूचना समय से देने, पद से जुड़े वैधानिक अधिकारों एवं दायित्वों के अनुरूप कार्यों में उचित अवसर प्रदान करने तथा आवश्यक अभिलेखों और कार्यों की जानकारी नियमानुसार उपलब्ध कराने की मांग की गई।

इस दौरान उप प्रधान जिला संगठन की जिलाध्यक्ष तनुजा गुप्ता, शेर सिंह, निर्मल सिंह, जसवंत सिंह, बलबीर सिंह, नीरज सिंह, कमलदीप सिंह, नंदलाल, कृष्ण सिंह, मोहम्मद नवाजिश, राशिद खान, परमजीत सिंह, बक्शीश सिंह, अरविंद कुमार, बिमला देवी, रेनू, भगवान सिंह, विश्वजीत विश्वास, संजय विश्वास, नीरज देवी, लखविंदर कौर, सुनीता देवी, धर्मदेव और परविंदर सिंह मौजूद रहे।

ललित शर्मा को मिला साहित्य शिरोमणि मानद उपाधि सम्मान

संवाददाता

मथुरा। मथुरा जिले के गांव भंकरपुर बेसला निवासी लेखक ललित शर्मा, पुत्र श्री प्रेमबाबू शर्मा, को लेखन के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए साहित्य शिरोमणि मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान डॉ. जयकिशोर शोध शिक्षण संस्थान, बड़नगर, उज्जैन की ओर से प्रदान किया गया। ललित शर्मा को इससे पहले भी उनके लेखन एवं साहित्यिक योगदान के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं तथा उनके अनेक लेख देश के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित हुए हैं। उनके लेखन की प्रमुख विशेषता यह है कि वे बहुविषयक मुद्दों के साथ-साथ खेल और ब्रज क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी निरंतर लेखन करते हैं। सामाजिक, आर्थिक, समसामयिक एवं अन्य विविध विषयों पर उनके लेख प्रकाशित हो चुके हैं। ललित शर्मा का शैक्षिक क्षेत्र भी व्यापक है। उनके अनुसार उन्होंने 26 डिग्री, पीजी डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्राप्त किए हैं। इसके अलावा उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन, मोहम्मद बिन राशिद यूनिवर्सिटी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी तथा सेंट जॉर्ज यूनिवर्सिटी, ग्रेनेडा सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से ऑनलाइन सर्टिफिकेट भी प्राप्त किए हैं।

स्थानान्तरित अधिकारियाकें की विदाई में आयोजित किया गया विदाई समारोह

संवाददाता

देहरादून। वर्तमान में जनपद देहरादून मे पुलिस अधीक्षक क्राइम/ट्रैफिक के पद पर नियुक्त जितेन्द्र चौधरी के जनपद देहरादून से राजभवन तथा पुलिस अधीक्षक नगर के पद पर नियुक्त श्री प्रमोद कुमार के जनपद ऊधम सिंह नगर स्थानान्तरण होने पर कैम्प कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा दोनो अधिकारीं के कार्यकाल के अनुभवों को साझा करते हुए आमजन की समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता एवं अधिनस्तो के प्रति उनके सहयोगात्मक व्यवहार की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा दोनो अधिकारियों को स्मृति चिन्ह तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गयी। विदाई समारोह में जनपद में नियुक्त समस्त राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस की 'एकजुटता' की परीक्षा...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

का राजनीतिक प्रबंधन भी करना पड़ रहा है। भाजपा जहां बूथ, मंडल और जिला स्तर पर चुनावी ढांचे को लगातार सक्रिय करने पर जोर दे रही है, वहीं कांग्रेस को अपने संगठनात्मक ढांचे में समन्वय और जमीनी सक्रियता दोनों मजबूत करनी हैं। कांग्रेस नेतृत्व खुद कार्यकर्ताओं को कागजों तक सीमित न रहने और जनता के बीच सक्रिय होने का संदेश दे चुका है। इसलिए कांग्रेस की कमजोरी को केवल गुटबाजी कहकर खत्म करना पर्याप्त नहीं होगा। असली चुनौती तीन स्तरों पर हैकृनेतृत्व में समन्वय, संगठन में स्पष्टता और मुद्दों को बूथ तक पहुंचाने की क्षमता।

कांग्रेस के पास सरकार के खिलाफ कई मुद्दे हैं और पार्टी ने चुनावी तैयारियां भी तेज कर दी हैं। राष्ट्रीय नेतृत्व के स्तर पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के प्रस्तावित कार्यक्रमों के जरिए अभियान को गति देने की तैयारी भी सामने आई है। लेकिन चुनावी राजनीति में राष्ट्रीय चेहरों की मौजूदगी तभी संगठनात्मक लाभ में बदलती है, जब स्थानीय नेतृत्व एकजुट संदेश दे और कार्यकर्ता उसे बूथ तक लेकर जाएं। यही कांग्रेस की सबसे बड़ी परीक्षा है भाजपा के खिलाफ मुद्दे उसके पास हैं, नेता भी कम नहीं हैं। अब इन नेताओं, मुद्दों और संगठन को एक चुनावी दिशा में कितनी मजबूती से जोड़ा जाता है, यह 2027 की लड़ाई में महत्वपूर्ण रहेगा।

उत्तराखंड में बीजेपी का 'बूथ स्ट्राइक'...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

भू-कानून, मूल निवास, आपदा और विकास परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव जैसे मुद्दे विपक्ष के राजनीतिक विमर्श में बने हुए हैं। हाल के दिनों में हरिद्वार-देहरादून समेत प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस और भाजपा के बीच सामाजिक तथा राजनीतिक मुद्दों पर तीखी बयानबाजी भी हुई है। ऐसे में भाजपा के लिए केवल संगठन का विस्तार पर्याप्त नहीं होगा। उसे संगठन की ताकत को सरकार के कामकाज के जनअनुभव से जोड़ना होगा। दूसरी ओर कांग्रेस के सामने चुनौती यह होगी कि वह भाजपा के मजबूत संगठनात्मक ढांचे के मुकाबले अपना संदेश कितनी प्रभावी ढंग से बूथ तक पहुंचा पाती है।

इस समय भाजपा की रणनीति को तीन शब्दों में समझा जा सकता है कि संगठन, सरकार और जनसंपर्क। संगठन बूथ तक, सरकार की उपलब्धियां घर-घर तक और राजनीतिक संदेश प्रदेश के हर क्षेत्र तक पहुंचाने की कोशिश हो रही है। हल्द्वानी में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी वाली प्रदेश कार्यसमिति और उसके बाद सामने आई चुनावी तैयारियां इसी दिशा की कड़ी हैं। लेकिन चुनावी राजनीति में संगठन की ताकत अंततः जनता के मुद्दों से ही परखी जाती है। 2027 की लड़ाई में भाजपा का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रश्न यही रहेगा कि वह अपनी संगठनात्मक बढ़त को जनता के रोजमर्रा के सवालों रोजगार, महंगाई, पलायन, विकास, कानून-व्यवस्था और पहाड़ की बुनियादी जरूरतों से किस तरह जोड़ती है। यही वह मोर्चा होगा जहां संगठन की ताकत और जनमत आमने-सामने होंगे।

संविधान सर्वोच्च है, सत्ता नहीं: क्षेत्री

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड कांग्रेस के प्रवक्ता व अधिवक्ता पंकज सिंह क्षेत्री ने कहा कि न्यायालय के निर्णय से पहले ही मंत्री गणेश जोशी को न्यायालय के आदेश को सार्वजनिक करने की जांच होने चाहिए। क्योंकि संविधान सर्वोच्च है सत्ता नही।

आज की परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पंकज क्षेत्री ने कहा कि वह एक अत्यंत गंभीर संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रश्न को जनता के सामने रखना चाहते हैं। विकास नेगी बनाम स्टेट ऑफ उत्तराखण्ड मामले में उत्तराखंड उच्च न्यायालय के समक्ष 08 सितंबर 2026 को बहस पूरी होने के बाद निर्णय सुरक्षित किया गया था। इसके बावजूद, सार्वजनिक रूप से उपलब्ध समाचार रिपोर्टों के अनुसार, 11 सितंबर को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मीडिया के समक्ष यह दावा किया कि उनके विरुद्ध याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद 15 सितंबर 2026 के उच्च न्यायालय के आदेश में दर्ज किया गया कि कुछ अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण जिस पीठ ने बहस सुनी थी, उसके द्वारा मामले का निर्णय किया जाना उचित नहीं होगा और मामला दूसरी पीठ के समक्ष रखे जाने के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। जब न्यायालय का निर्णय सार्वजनिक रूप से सुनाया ही नहीं गया था, तब निर्णय का परिणाम पहले से सार्वजनिक रूप से घोषित करने का आधार क्या था।

यह प्रश्न किसी व्यक्ति के विरुद्ध राजनीतिक द्वेष का नहीं, बल्कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा का प्रश्न है। हम यह भी स्पष्ट करते हैं कि न्यायालय के आदेश को हम राजनीतिक आरोप के रूप में नहीं, बल्कि संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के रूप में देखते हैं। अंतिम न्यायिक निष्कर्ष सक्षम न्यायालय द्वारा ही दिया जाएगा। लेकिन किसी मंत्री द्वारा न्यायालय के निर्णय से पूर्व उसके परिणाम की घोषणा किए जाने की परिस्थितियों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। गणेश जोशी द्वारा 11 सितंबर को दिए गए कथित बयान और उसके आधार की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। यह पता लगाया जाए कि निर्णय सुनाए जाने से पूर्व उन्हें कथित निर्णय की जानकारी कैसे प्राप्त हुई। यदि जांच में न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने, गोपनीय न्यायिक जानकारी प्राप्त करने अथवा किसी अन्य गंभीर अनियमितता के तथ्य सामने आते हैं तो कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग है कि संवैधानिक मर्यादाओं एवं मंत्री पद की शपथ के अनुरूप गणेश जोशी को तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए, अथवा कम से कम जांच पूरी होने तक उनके मंत्री पद पर बने रहने की उपयुक्तता पर निर्णय लिया जाए। गणेश जोशी की विधायक पद की सदस्यता समाप्त करने के संबंध में भी सक्षम संवैधानिक प्राधिकारी द्वारा कानून के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई की जाए। पूरे घटनाक्रम की जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय एवं संबंधित संवैधानिक प्राधिकारियों को भेजकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा की रक्षा सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर श्रीमती सुजाता पॉल प्रदेश उपाध्यक्ष, उत्तराखंड कांग्रेस ने कहा कि यह केवल गणेश जोशी का व्यक्तिगत मामला नहीं है। यह सवाल है कि क्या सत्ता में बैठे किसी व्यक्ति को न्यायालय के निर्णय से पहले ही उसके परिणाम की घोषणा करने का अधिकार है? आज उत्तराखंड की जनता यह जानना चाहती है कि आखिर 11 सितंबर को मंत्री को उस निर्णय की जानकारी कैसे थी, जो उस समय सार्वजनिक रूप से सुनाया ही नहीं गया था। हम मुख्यमंत्री से मांग करते हैं कि संवैधानिक मर्यादा को देखते हुए गणेश जोशी को तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।" सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर सर्वेश डंगवाल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत हमारी संवैधानिक संस्थाएं हैं। सेना में सेवा करते हुए हमने संविधान की सर्वोच्चता और संस्थागत अनुशासन को सर्वोपरि माना है। आज यदि किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा न्यायालय के निर्णय से पूर्व ही उसके परिणाम की घोषणा किए जाने का आरोप सामने आता है, तो यह अत्यंत गंभीर विषय है। सरकार को इस मामले में चुप्पी साधने के बजाय स्पष्ट जवाब देना चाहिए। संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता किसी भी राजनीतिक व्यक्ति से बड़ी है।

अधिवक्ता एवं प्रवक्ता, उत्तराखंड कांग्रेस पंकज सिंह क्षेत्री ने कहा कि वह अधिवक्ता होने के नाते यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि 8 सितंबर को बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित था। 11 सितंबर को मंत्री द्वारा अपने पक्ष में फैसला आने का दावा किया गया और 15 सितंबर के आदेश में न्यायालय ने मामले को दूसरी पीठ के समक्ष रखने की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। हमारा सवाल सीधा है कि फैसला आने से पहले फैसला किसे पता था और कैसे पता था? यह किसी व्यक्ति को दोषी घोषित करने का विषय नहीं है। हम केवल यह मांग कर रहे हैं कि इस असाधारण घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच हो। यदि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का आचरण संवैधानिक मर्यादा के विपरीत पाया जाता है, तो उन्हें मंत्री पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं होना चाहिए। इसलिए हमारी मांग है कि श्री गणेश जोशी को तत्काल मंत्री पद से हटाया जाए और उनकी विधायक सदस्यता के संबंध में भी सक्षम संवैधानिक प्राधिकारी कानून के अनुसार कार्रवाई करे।"" न्यायालय का फैसला न्यायालय ही सुनाएगा, कोई मंत्री नहीं। संविधान सर्वोच्च है, सत्ता नहीं।

गूंजा 'रुद्र राग', शिव-शक्ति की दिव्य प्रेमगाथा हुई मंच पर जीवंत

संवाददाता

देहरादून। न्यू स्टार क्लब ऋषिकेश व श्री गणपति सेवा मंडल, ऋषिकेश द्वारा आयोजित 6वें गणेश महोत्सव के अंतर्गत आशीर्वाद वाटिका, हरिद्वार रोड, ऋषिकेश में भव्य 'रुद्र राग श्री महाकाल संध्या' का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम शाम 8 शुरू होकर देर रात तक चला। इस विशेष संध्या का मुख्य आकर्षण 'एक दिव्य शिव लीला' का मंचन किया गया जिसमें भगवान शिव और माता सती के प्रेम, समर्पण, त्याग और शिव-शक्ति के दिव्य स्वरूप को मंच पर जीवंत किया जाएगा।

कार्यक्रम में दिल्ली से आए बॉलीवुड टी-सीरीज फेम अभिनेता नितिन चक्रधारी भगवान शिव के स्वरूप में अपनी दमदार प्रस्तुति दी । वहीं सती की भूमिका में सोनिया अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति से दर्शकों को शिव-सती की प्रेमगाथा से जोड़ा। 'रुद्र राग' को लेकर न्यू स्टार क्लब एवं श्री गणपति सेवा मंडल से जुड़े सदस्यों और क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला न्यू स्टार क्लब के संस्थापक एवं निर्देशक के. के. सचदेवा के मार्गदर्शन में इस विशेष आयोजन को भव्य रूप देने की तैयारियां की गई थी।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि भाजपा प्रवक्ता अनुकृति गोसाई रावत ने श्री गणेश जी की पूजा आराधना कर कर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर न्यू स्टार क्लब के संरक्षक नीरज वालिया, विनेश राम, क्लब अध्यक्ष मनोज सहल, उपाध्यक्ष सुनील ग्रोवर, मुख्य कार्यक्रम संयोजक अजय ब्रेजा व भुवन महेंद्रु आदि का सराहनीय योगदान रहा कार्यक्रम में श्री गणपति सेवा मंडल के अध्यक्ष आलोक चावला प्रिंस मनचंदा, डॉ राजेश मनचंदा, योगेश कालड़ा, पार्षद संध्या बिष्ट गोयल, रामकुमार संगर, अनिल रावत, आशु डंग, आशु अरोड़ा, प्रभाकर शर्मा सोनू पवन नागपाल एकांत गोयल, महापौर शंभू पासवान पूर्व मेयर अनीता ममगाई राय सिंह रावत मास्टर, दिनेश कोठारी, राघव ग्रोवर, सुधीर राय, धीरज बाला, गुड्डू कुमार सिंह, ललित मनचंदा, जितेंद्र पाल पार्टी के अलावा हजारों लोग उपस्थित थे जो रूद्र राग कार्यक्रम के साक्षी बने।

युवक की हत्या का खुलासा, पति-पत्नी गिरफ्तार

40 लाख रुपये की लेनदारी के कारण की गयी थी हत्या की वारदात

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। युवक की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने उसके दोस्त व उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। हत्या की यह वारदात 40 लाख रूपये की देनदारी के चलते अंजाम दी गयी थी।

जानकारी के अनुसार मृतक हरदीप सिंह के ऊपर आरोपी की करीब 40 लाख रुपये की देनदारी बताई गई है। पुलिस जांच के मुताबिक, आरोपी पर हरदीप सिंह के 40 लाख रुपये बकाया थे और रकम वापस नहीं लौटानी पड़े, इसके लिए कथित तौर पर हत्या की साजिश रची गई। कुंडा थाना क्षेत्र के गौरा फार्म में हुई हरदीप सिंह की गोली मारकर हत्या के मामले का पुलिस ने महज 48 घंटे में खुलासा करते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से लाइसेंसी पिस्टल, खोखा कारतूस और कार बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, संदीप सिंह उर्फ सोना ने रुपयों के लेन-देन के विवाद में हरदीप सिंह को गोली मारी। जांच के दौरान हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने और नष्ट करने के षडयंत्र में उसकी पत्नी संदीप कौर की भूमिका भी सामने आई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

बता दें कि 13 सितंबर 2026 को रजविन्दर कौर पत्नी सुखदेव सिंह निवासी गुलजारपुर ने अपने पुत्र हरदीप सिंह की गोली मारकर हत्या किए जाने की सूचना पुलिस को दी थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ऊधम सिंह नगर अजय गणपति के निर्देश पर पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में छानबीन, संदिग्धों से पूछताछ तथा वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी संदीप सिंह उर्फ सोना और उसकी पत्नी संदीप कौर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हरदीप सिंह के आरोपी संदीप सिंह पर करीब 40 लाख रुपये बकाया बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, इसी रकम को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि रकम वापस करने से बचने के लिए हरदीप सिंह की हत्या की साजिश रची गई और उसे गोली मार दी गई। हालांकि, 40 लाख रुपये की देनदारी और हत्या के पीछे इसी वजह को लेकर सामने आए तथ्यों की अंतिम पुष्टि विवेचना और न्यायिक प्रक्रिया में होगी। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने और नष्ट करने के प्रयास किए गए। विवेचना में आरोपी की पत्नी संदीप कौर की भूमिका भी सामने आने पर उसे भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त लाइसेंसी पिस्टल, खोखा कारतूस और आरोपी की कार बरामद की है। बरामद सामान को विवेचना में शामिल किया गया है।

भारतीय युद्धपोत से टकराया पाकिस्तानी नौसेना का जहाज, भारत ने पाक उच्चायुक्त को किया तलब

संवाददाता

नई दिल्ली। अरब सागर में पाकिस्तानी नौसेना के एक तेज रफ्तार जहाज ने भारतीय नेवी के युद्धपोत को टक्कर मार दी है। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच टेंशन बढ़ गई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने सख्त रूख अपनाते हुए पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत को तलब कर लिया है। घटना 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में हुई है। भारत ने बुधवार को नई दिल्ली में पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत साद वारैच को विदेश मंत्रालय में तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया है। भारत ने पाकिस्तानी नौसैनिक इकाई के व्यवहार को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ऐसे घटनाक्रम दोबारा न हों, इसके लिए दोनों देशों के बीच हुए समझौतों का पालन जरूरी है। पाकिस्तानी राजनयिक को तलब किए जाने पर विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह घटना अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई और इससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन पाकिस्तानी नौसेना के जहाज का व्यवहार अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही की पहले से सूचना देने को लेकर हुए समझौते के अनुच्छेद 1० का सीधे तौर पर उल्लंघन है। बयान में कहा गया, पाकिस्तान के प्रभारी राजदूत को संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों तक यह बात पहुंचाने की सलाह दी गई कि सभी सैन्य इकाइयों को उचित सावधानी बरतने और दोनों देशों के बीच संबंधित समझौतों के प्रावधानों का सम्मान करने की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

स्मैक व चरस के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक व चरस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को अपने-अपने क्षेत्र मादक पदार्थों/अवैध शराब की तस्करी में लिप्त अभियुक्तों को चिन्हित करते हुए उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। निर्देशो के

अनुपालन में सम्पूर्ण जनपद में पुलिस द्वारा लगातार नशा तस्करो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम मे पटेलनगर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्रान्तर्गत अलग-अलग स्थानों, कबाड़ी पुल के पास से शब्बीर उर्फ बुच्चन पुत्र मुस्तफा निवासी निकट दुर्गा मन्दिर लोहिया नगर, पटेलनगर को 12.35 ग्राम स्मैक तथा गोरखपुर तिराहा बडोवाला के पास से तैय्यब पुत्र इकबाल निवासी चन्दाताल मेहुँवाला, कोतवाली पटेलनगर, को 374 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। दोनों के विरुद्ध कोतवाली पटेल नगर पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमें दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से लूटी गयी चेन व घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 14 सितम्बर को सूर्यांश कुकरेती पुत्र सर्वेश कुकरेती निवासी नारायण विहार, कारगी चौक, देहरादून द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी पर आकर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उनकी चेन झपट्टा मारकर छीनकर ले जाने के संबंध में तहरीर दी गयी। चेन लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा बीती रात दून यूनिवर्सिटी रोड पर चेकिंग के दौरान मोथरोवाला की ओर से आ रही एक बिना नंबर प्लेट की नीले रंग की स्कूटी पर सवार दो संदिग्ध युवकों को चेकिंग हेतु रोककर पूछताछ की गई तो उनके द्वारा अपना नाम विनीत पाल पुत्र राम नरेश व मो. आजम पुत्र मो. आलम बताया। दोनों व्यक्तियों की तलाशी लेने पर उनमे से एक युवक विनीत पाल के पास से 1 टूटी हुई पीली धातु की चेन तथा दूसरे युवक मो. आजम के कब्जे से 1चाकू बरामद हुआ।

बरामद चेन के संबंध में सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा उक्त चेन को एक दिन पूर्व नेहरु कॉलोनी क्षेत्र में एक व्यक्ति के गले से झपट्टा मारकर छीनना बताया गया, जिस पर दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार करते हुए घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की स्कूटी को सीज किया गया।

पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा बताया गया कि वे नशे के आदी हैं तथा नशे की लत को पूरा करने के लिए दोनों ने मिलकर चेन स्नैचिंग की घटना को अंजाम देने की योजना बनाई थी। 14 सितम्बर की रात को स्कूटी से रिस्पना से कारगी चौक की तरफ जाने के दौरान उन्हें एक युवक स्कूटी से जाता हुआ दिखाई दिया, जिसने गले में चेन पहनी हुई थी। दोनों आरोपियों ने उसे अपनी बातों में लगाकर रोका तथा इसी दौरान विनीत पाल द्वारा उसके गले से चेन छीन ली गई। चेन छीनते समय वह टूट गई, जिसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। बहरहाल पुलिस ने दो लोगों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सपा नेता की दिन दहाड़े गोली मारकर की हत्या

हमारे संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित हंडिया में सपा जिला सचिव और पूर्व ग्राम प्रधान पवन यादव की बाइक सवार तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस सीसीटीवी के जरिए आरोपियों की तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बीती शाम समाजवादी पार्टी के नेता तथा पूर्व ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हंडिया थाना क्षेत्र में हुई इस सनसनीखेज वारदात को बाइक सवार तीन हमलावरों ने अंजाम दिया। गोली लगने के बाद गंभीर हालत में पवन यादव को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस स्थान पर वारदात हुई, वह हंडिया थाने से करीब 500 मीटर के दायरे में बताया जा रहा है। सरेराह हुई हत्या के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि मुंगराव गांव निवासी पवन यादव समाजवादी पार्टी के गंगापार जिला सचिव और पूर्व ग्राम प्रधान थे। बीती शाम वह हंडिया थाना क्षेत्र के कर्मनाशा इलाके में कुछ लोगों से मिलने के बाद अपनी कार की तरफ लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक वहां पहुंचे।

रिपोर्टों के अनुसार, दो हमलावरों ने हेलमेट पहन रखा था। बाइक धीमी होते ही पीछे बैठे हमलावर ने पवन यादव पर गोली चला दी। गोली उनकी पीठ में लगी और वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। फायरिंग के बाद हमलावर बाइक से मौके से फरार हो गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गोली लगने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल पवन यादव को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें दूसरे अस्पताल और फिर ''स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन)'' रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पवन यादव की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में उनके समर्थक और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता अस्पताल और मोर्चरी पहुंचे। पुलिस को घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज मिली है। रिपोर्टों के अनुसार फुटेज में तीन संदिग्ध नजर आए हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।